चीता संरक्षण पर मध्य प्रदेश-राजस्थान संयुक्त पैनल

चर्चा में क्यों?

हाल ही में मध्य प्रदेश से चीतों के राजस्थान में घुस आने की घटनाओं के बाद, **चीता संरक्षण** के लिये दोनों राज्यों द्वारा एक **संयुक्त गलियारा प्रबंधन समिति की स्थापना की गई है** ।

मुख्य बिंदु

- **संयुक्त कॉरिडोर प्रबंधन समिति:**
  - समिति **मध्य प्रदेश के** कुनो राष्ट्रीय उद्यान (KNP) और गांधी सागर अभयारण्य से चीतों के भविष्य के स्थानांतरण के लिये उपयुक्त क्षेत्रों का आकलन करेगी।
    - सिफारिशों में आवास सुधार शामिल होंगे, विशेष रूप से पूर्व-संवर्द्धन आधार के लिये।
  - समिति संयुक्त पर्यटन मार्गों के विकल्पों का मूल्यांकन करेगी, जिसमें संभवतः राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल अभयारण्य, KNP और रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान जैसे सीमावर्ती क्षेत्र शामिल होंगे ।
- **KNP में चीता पुन:प्रस्तुति परियोजना:**
  - पुन: परिचय परियोजना के हिस्से के रूप में, सितंबर 2022 में **नामीबिया से आठ चीते KNP में लाए गए, इसके बाद फरवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका से बारह चीते लाए गए।**
    - इस पहल का **उद्देश्य चीता की संख्या को बहाल करना है** , जिसे 1952 में भारत में विलुप्त घोषित कर दिया गया था।
  - हालाँकि, अपनी स्थापना के बाद से, इस **परियोजना को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है**, जिनमें पिछले दो वर्षों में कई वयस्क चीतों की मृत्यु और शावकों की मृत्यु शामिल है।
    - फिलहाल, **KNP में** शावकों सहित 24 चीते हैं।

कुनो राष्ट्रीय उद्यान (KNP)

- **मध्य प्रदेश के श्योपुर ज़िले में स्थित** KNP नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से स्थानांतरित होकर आए कई चीतों का आवास है।
- इसे शुरू में 1981 में एक **वन्यजीव अभयारण्य के रूप में स्थापित किया गया था** और बाद में **वर्ष 2018 में इसे राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा दिया गया।**

//

चीता (Cheetah)

सामान्य नाम: एशियाई चीता

वैज्ञानिक नाम: *एसिनोनिक्स जुबेटस (Acinonyx jubatus)*

- *एसिनोनिक्स जुबेटस जुबेटस* (एशियाई चीता)
- *एसिनोनिक्स जुबेटस वेनाटिकस* (अफ्रीकी चीता)

विशेषताएँ:

- विश्व का सबसे तेज दौड़ने वाला स्तनधारी
- चीते अपनी क्षमता के बजाय गति के लिये जाने जाते हैं; जब ये अपने शिकार का पीछा करते हैं तो यह केवल **200-300** मीटर के लिये तथा **1** मिनट से कम अवधि का होता है।
- शेर, लकड़बग्घे और तेंदुए जैसे अन्य शक्तिशाली शिकारियों से प्रतिस्पर्द्धा से बचने के लिये चीते मुख्य रूप से दिन के दौरान शिकार करते हैं।

अफ्रीकी चीता बनाम एशियाई चीता:

- **अफ्रीकी:** हल्के भूरे और सुनहरे रंग की **त्वचा; एशियाई चीते से मोटी**
  - ***चेहरों पर धब्बों तथा रेखाओं की प्रधानता***
  - *पूरे अफ्रीका महाद्वीप में पाए जाते हैं*
  - ***IUCN रेडलिस्ट में स्थिति: सुभेद्य (Vulnerable)***
- **एशियाई:** अफ्रीकी चीतों से थोड़े छोटे
  - ***हल्के पीले रंग की त्वचा: शरीर के नीचे विशेष रूप से पेट पर अधिक बाल***
  - ***केवल ईरान में पाए जाते हैं;*** *देश द्वारा यह दावा किया जाता है कि अब यहाँ केवल **12** चीते शेष हैं।*
- **वर्ष 1952:** एशियाई चीता को **आधिकारिक रूप से भारत से विलुप्त** घोषित किया गया
  - ***IUCN रेडलिस्ट में स्थिति: घोर संकटग्रस्त (Critically Endangered)***

एशियाई चीता

अफ्रीकी चीता

भारत में चीतों का पुनर्वास:

- **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) की 19वीं बैठक में MoEF-CC** द्वारा **"भारत में चीता पुनर्वास के लिये कार्ययोजना"** जारी की गई थी। (जनवरी **2022**)
  - *इसी तरह की एक कार्ययोजना सर्वप्रथम वर्ष **2009** में प्रस्तावित की गई थी।*
- सितंबर **2022** में **नामीबिया से आठ चीतों को भारत में पुनर्वास हेतु लाया गया।**
  - *इन आठ चीतों को **मध्यप्रदेश के कुनो-पालपुर राष्ट्रीय उद्यान** में स्थानांतरित किया जाएगा।*
- नामीबिया से भारत में चीतों का स्थानांतरण **विश्व भर में किसी बड़े मांसाहारी जानवर की पहली स्थानांतरण परियोजना है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/mp-rajasthan-joint-panel-on-cheetah-conservation